माशिमं 10वीं और 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षाएं शुरू, 26 फरवरी तक चलेंगी

आलीराजपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाएं 1 व 2 मार्च से शुरू होने वाली हैं। परीक्षाओं से पहले सभी स्कूलों में प्रैक्टिकल परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। दसवीं में विज्ञान, व्यापार, भौतिक शास्त्र सहित अन्य विषयों की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 12 से 26 फरवरी तक शुरू हो जाएंगी। शिक्षा विभाग ने विषय विशेषज्ञों-शिक्षकों की प्रैक्टिकल परीक्षा लेने के लिए ड्यूटी भी लगा दी है। परीक्षकों के नाम तय होने के बाद से ही निजी स्कूल संचालकों ने उनसे सांठगांठ करने का काम शुरू कर दिया है, जिससे वे अपने स्कूलों के छात्रों को अधिक से अधिक अंक दिला सकें।

बोर्ड परीक्षाओं से पहले प्रैक्टिकल परीक्षा होती है। प्रैक्टिकल परीक्षा के अंक मुख्य परीक्षा में संबंधित विषय के साथ जोड़े जाते हैं। प्रैक्टिकल परीक्षा में अच्छे अंक मिलते हैं, तो मुख्य परीक्षा में उसकी ...

हैं, इसलिए प्रैक्टिकल परीक्षा के अंक ...

इसलिए स्कूल संचालक करते हैं सांठगांठ

- जिले के तकरीबन 90 फीसदी प्राइवेट स्कूलों में प्रवेश कराने के लिए लेब ही नहीं है। साथ ही छात्रों से प्रवेश भी नहीं कराया जाता, किंतु संचालक प्रायोगिक परीक्षा के नाम पर फीस लेते हैं। इसलिए वे परीक्षकों से सांठगांठ करते हैं। इनमें उनके छात्र प्रायोगिक परीक्षा में पास हो जाएं।
- प्रायोगिक परीक्षा में अंक देने का काम परीक्षक का होता है। इसमें बोर्ड का कोई लेना नहीं होता। परीक्षक जो अंक देता है, वही अंक बोर्ड को स्कूल संचालक भेज देते हैं। छात्रों को अधिक से अधिक अंक मिलें, इसके लिए भी स्कूल संचालक परीक्षकों से सांठगांठ करते हैं। अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि छात्रों को प्रायोगिक परीक्षा में 90 फीसदी तक अंक मिलते हैं।

है कि हर निजी स्कूल संचालक ने उनके प्रायोगिक परीक्षा कराने के लिए आने वाले परीक्षक से पहले ही सांठगांठ कर ली है। इससे उनके स्कूल के छात्रों को अच्छे अंक मिल जाएं।

इस तरह नियुक्त होते हैं प्रायोगिक परीक्षा के लिए परीक्षक

जिला शिक्षा विभाग पूरे जिले के विज्ञान, व्यापार, भौतिक शास्त्र सहित अन्य विषयों के शिक्षकों की सूची तैयार करता है। इसके बाद सभी परीक्षकों की ड्यूटी दूसरे स्कूलों के छात्रों की प्रायोगिक परीक्षा को कराने के लिए लगाता है। साथ ही किस स्कूल में प्रायोगिक परीक्षा कब होगी है, यह भी जिला शिक्षा विभाग ही तय करता है।

बोर्ड परीक्षाओं से पहले प्रैक्टिकल परीक्षाएं होंगी। इसके लिए परीक्षकों की ड्यूटी लगा दी गई है। साथ ही सभी को स्कूलों व केंद्रों में परीक्षा लेने के लिए निर्देशित किया गया है। - **अमरसिंह ..., सहायक आयुक्त आलीराजपुर**

विदेश शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि आज

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन ने होनहार विद्यार्थियों को विदेश में 2 वर्ष के स्नातकोत्तर और शोध पाठ्यक्रम के लिए 40 हजार डॉलर प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति प्रदान करने का निर्णय लिया है। योजना शैक्षणिक सत्र 2019-20 से लागू की जा रही है। जिन छात्रों ने 75 प्रतिशत से अच्छिक अंक प्राप्त किए हैं। अभ्यर्थी को जीआईई, जीएमएटी, टीओएफईएल, आईईएलटीएस की अर्हता प्राप्त करना अनिवार्य होगा। छात्रवृत्ति के ऑफलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 फरवरी है। आवेदक के माता-पिता, अभिभावक, अभ्यर्थी की पत्नी, पति की समस्त स्रोतों से कुल वार्षिक आय 5 लाख से अच्छिक नहीं होनी चाहिए।

नजीर बरेला के देवरी पटपरा मिडिल स्कूल के शिक्षक ने पेश की मिसाल, वसंत पंचमी पर लिया था 'अखंड शिक्षादान' का संकल्प

बिना अन्न-जल लिए सरकारी शिक्षक ने 24 घंटे दान की 'शिक्षा'

जबलपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

आपनी मांगों को लेकर शिक्षकों के अनशन पर बैठने के कई किस्से सुने होंगे, लेकिन शहर से करीब 30 किमी दूर सरकारी मिडिल स्कूल देवरी पटपरा (बरेला) में पदस्थ एक ऐसे बिरले शिक्षक भी हैं। जिन्होंने विद्या की देवी सरस्वती के जन्मोत्सव वसंत पंचमी पर अनूठा संकल्प लेते हुए बिना अन्न-जल लिए 24 घंटे तक बिना रुके दिन-रात बच्चों को पढ़ाकर शिक्षकों के लिए नई मिसाल पेश कर दी। शिक्षक पं. प्रेमदास बैरागी ने वसंत पंचमी पर 24 घंटे उपवास कर 'शिक्षादान' का संकल्प लिया था। जिसे पूरा करने उन्होंने बाकायदा शेड्यूल बनाया था। दो-दो घंटे की शिफ्ट में न सिर्फ स्कूली बच्चों को बल्कि कॉलेज के युवाओं, आंगनबाड़ी महिलाओं, स्वसहायता समूहों को भी पढ़ाकर उन्हें महापुरुषों का इतिहास, नारी शक्ति, बालिका सुरक्षा का पाठ पढ़ाया।

देवरी पटपरा मिडिल स्कूल में बच्चों को पढ़ाते हेडमास्टर प्रेमदास बैरागी।

सुबह जल्दी आकर एक घंटे देते हैं ट्यूशन- 34 साल से पढ़ा रहे बैरागी रोज सुबह एक घंटे पहले स्कूल आकर कमजोर बच्चों को फ्री में ट्यूशन भी देते हैं। स्कूल में झाड़ू भी खुद लगाते हैं।

सुबह 4 बजे से पढ़ाने बच्चों सहित स्कूल में रुके

- राष्ट्रपति व राज्यपाल से सम्मानित हो चुके गोल्ड मेडलिस्ट शिक्षक पं.बैरागी स्कूल से 4 किमी दूर बरेला में रहते हैं। उन्हें अपना संकल्प 9 फरवरी की सुबह 4 बजे ब्रह्ममुहूर्त में शुरू करना था और समापन 10 फरवरी वसंत पंचमी को करना था। लिहाजा पं. बैरागी 8 फरवरी की रात स्कूल में ही सोए।
- इतनी सुबह बच्चे नहीं आ पाते इसलिए तय शेड्यूल के तहत 6वीं से 8वीं तक के बच्चों को भी रात में ही स्कूल बुलवा लिया। उनके खाने-साने का इंतजाम भी स्कूल में ही कराया। सुबह 3:30 बजे सभी उठे ब्रह्ममुहूर्त में सुबह 4 शंख ध्वनि के साथ संकल्प की शुरुआत की।

रात 2 बजे युवाओं को पढ़ाते रहे मेक इन इंडिया का पाठ

- पं. बैरागी ने शाला प्रबंधन समिति, गांव के सरपंच संतोष पटेल के साथ चर्चा कर संकल्प को पूरा करने रजिस्टर में टाइम शेड्यूल बनाया था।
- 9 फरवरी को सुबह 4 बजे से 10 बजे तक 6,7, 8वीं के बच्चों को 2-2 घंटे की शिफ्ट के हिसाब हिन्दी, अंग्रेजी ग्रामर, छंद, दोहा विराम, चिन्ह पढ़ाया। सुबह 10 से शाम 5 बजे तक स्कूल टाइम में बच्चों को रिवीजन कराया।
- शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक अलग-अलग शिफ्ट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाओं, गांव के स्वसहायता समूह, कॉलेज के छात्र-छात्राओं को नारी शक्ति, भ्रूण हत्या, अध्यात्म, संगीत विद्या, बालिका सुरक्षा आदि की शिक्षा दी। रात 12 से 2 बजे तक युवाओं को मेक इन इंडिया का पाठ पढ़ाने में जुटे रहे। इसके बाद 4 बजे तक महापुरुषों का पाठ पढ़ाने का लक्ष्य रखा था।

गांव वालों ने भी किया सहयोग, आज समापन

- शिक्षक के संकल्प को सफल बनाने गांव के सरपंच, पालक शिक्षक संघ व गांव वालों ने भी भरपूर सहयोग दिया और शिफ्ट के हिसाब से बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल भेजा। रविवार को वसंत पंचमी पर संकल्प का समापन सरस्वती पूजन, हवन, कन्या भोज के साथ होगा।

स्कूल में खोला 25 वां निशुल्क बुक बैंक

विजयपुर। नवदुनिया न्यूज

ग्रामीण छात्रों के अध्ययन में पुस्तकें बाधा न बनें, इसी मकसद से स्कूल में निशुल्क बुक बैंक की शुरुआत की है। यहां छात्रों को हर विषय की पुस्तकें उपलब्ध होंगी। ताकि बच्चे अपना शिक्षा का स्तर उठाते हुए पुस्तकों का अभाव महसूस न कर सकें। ग्रामीण स्तर पर गरीब छात्रों के बौद्धिक विकास, अंग्रेजी व विज्ञान में विशेष अध्ययन के लिए सुचेता हम्बीर सिंह की जिला पर्यावरण केंद्र गुना द्वारा संचालित कुलदीपिका सिंह मैमोरियल बुकबैंक योजना के तहत राघौगढ़ सकतपुर के वैष्णवी स्कूल में गरीब छात्रों के जीवन में सफल होने 329 विज्ञान, गणित, अंग्रेजी, कम्प्यूटर, व्याकरण, बाल साहित्य, हिंदी आदि पुस्तकों को देकर 25 वां निशुल्क बुक बैंक खोला है। शिक्षा से जीवन में सफलता की सीढ़ी सदगुरु व पुस्तकों से ही मिलती है। गांव-गांव में बुकबैंक खोलने का तथ्य प्रत्येक छात्र व बच्चों में शिक्षा के महत्व को बढ़ाने और शिक्षा को हर बच्चे तक पहुंचाना है, जिससे बच्चे शिक्षा से ज्ञान को एक आराधना के रुप में उतार सकें और हर गांव का काबिल गरीब छात्र किताबों की कमी को महसूस न करे। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए सुचेता हम्बीर सिंह द्वारा खोले बुकबैंक ग्रामीण शैक्षिक विकास में सहयोग के लिए एक नया रास्ता दिखा सकते हैं। बाल जीवन से ही बच्चे शिक्षा की दिशा में अग्रसर हों। इसके साथ ही शासकीय प्राथमिक स्कूलों में भी खोले मिनी बुकबैंक भी ग्रामीण स्तर के छात्रों में अंग्रेजी, गणित व मनोविकास की कहानियों के द्वारा अपने शैक्षिक स्तर को बढ़ा रहे हैं। सुचेताहम्बीर सिंह ने छात्रों से कहा कि प्रकृति व पर्यावरण के साथ जीवन का संतुलन बनाए रखने समय व आर्थिक प्रबंधन, सामान्य जीवन शैली, अंग्रेजी व गणित के अध्ययन पर विषेश ध्यान दें। इसी के साथ छात्रों को कहा कि मोबाइल तकनीक का सदुउपयोग करें। क्योंकि इसका दुरुपयोग उनके जीवन के लिए बहुत ही घातक हो सकता है। इसके अतिरिक्त मंदिरों में भी धार्मिक साहित्य उपलब्ध करा रहे हैं, जहां से धर्म शिक्षा द्वारा आमजन एक मानवता के रास्ते को अपनाकर प्रकृति की सेवा में अपना जीवन का कुछ समय दे। इस अवसर पर शिक्षक महेश धाकड़, सुनील धाकड़, विष्णु बैरागी, कमल सिंह धाकड़, राजबहादुर सिंह राजपूत व छात्र उपस्थित रहे। इसमें जीपी गुप्ता, हरिओम रघुवंशी, राजनारायण लोधा आदि ने सहयोग किया।

विजयपुर। ग्रामीण छात्रों को पुस्तकों का अभाव न सताए इसलिए स्कूल में खोला बुक बैंक।

केंद्रीय विद्यालय में एडमिशन के लिए नोटिफिकेशन जारी

इंदौर। केंद्रीय विद्यालय में वर्ष 2019-20 में एडमिशन के लिए नोटिफिकेशन जारी हो चुका है। नोटिफिकेशन केवीएस की ऑफिशियल वेबसाइट पर भी है। केंद्रीय विद्यालय संगठन के विद्यालयों में पहली कक्षा के लिए ऑनलाइन पंजीयन 1 मार्च 2019 से शुरू होंगे, जो 19 मार्च तक कर जारी रहेंगे। चयन की पहली प्रोविजनल सूची 26 मार्च 2019 को जारी की जाएगी। वहीं दूसरी लिस्ट 9 अप्रैल 2019 को जारी होगी। अगर दूसरी लिस्ट के बाद भी सीट्स खाली रहती हैं तो तीसरी लिस्ट 23 अप्रैल को जारी की जाएगी। वहीं 11वीं कक्षा को छोड़कर दूसरी और अन्य कक्षाओं के लिए आवेदन की प्रक्रिया 2 अप्रैल को सुबह 8 बजे से शुरू होगी, जो 9 अप्रैल शाम 4 बजे तक चलेगी। इससे आगे की कक्षाओं की एडमिशन लिस्ट 12 अप्रैल को जारी की जाएगी। वहीं इन कक्षाओं में प्रवेश की प्रक्रिया 12 अप्रैल से 20 अप्रैल 2019 तक चलेगी।

स्कॉलरशिप के लिए करें आवेदन

इंदौर। राज्य शासन द्वारा हर वर्ष 20 होनहार स्टूडेंट्स का चयन कर विदेश में शिक्षा के लिए 2 वर्ष के स्नातकोत्तर और शोध पाठ्यक्रम के लिए 40 हजार डॉलर प्रतिवर्ष स्कॉलरशिप दी जाती है। इसमें स्कॉलरशिप के रूप में 38 हजार डॉलर के साथ दो हजार डॉलर किताबों, उपकरण, टंकण, शोध प्रबंध की बाइडिंग सहित अन्य खर्चों को शामिल किया गया है।